अध्याय एक: मेक–अप का परिचय

मेक–अप का इतिहासः शरीर और चेहरे पर मेक–अप और वनस्पति के रंगों के प्रयोग **का** साक्ष्य विभिन्न पांडुलिपियों और इतिहास पुस्तकों में दर्ज हैं। नव पाषाण युग में भी पुरूष और महिलाएं अपने शरीर को सजाने के लिए **काया** लेप और रंगों का प्रयोग करती थीं। उन दिनों मेक–अप का इस्तेमाल **मौसम के अनुकूल** त्वचा की रक्षा करने के लिए एक छद्मावरण उत्पाद के रूप में किया जाता था। मेक–अप का इस्तेमाल श्रृंगार, जनजातीय पहचान, सामाजिक स्तर और युद्ध व धार्मिक गतिविधियों की तैयारी के रूप में भी किया जाता था। क्लेयोपेट्रा के मेक–अप ने मिस्र की उत्तेजक आंखों को मशहूर कर दिया था।

इतिहास में मेक –अप में होने वाला बदलाव दर्ज हैः

सन् 1901–29

- एलिजाबेथ अर्डेन ने वर्ष 1910 में अपना पहला सैलून शुरू किया था और प्रसिद्ध कॉस्मेटिक श्रृंखला की प्रमुख बनी।
- यद्यपि मेक–अप का प्रयोग धीरे–धीरे **प्रचा लत** हो रहा था किंतु अभी भी प्राकृतिक सुन्दरता का प्रचलन था।
- नेल **पॉ लश** का सृजन किया गया। यार्डले और हेलेना रूबेनस्टिन जैसी कंपनियां उभरीं।
- सन् 1930 में महिलाओं के चेहरे पर भारी मेक –अप हुआ करता था। सन् 1920 के अंत में **पहली** बार सुरक्षित संघटकों का उपयोग करते हुए मेक –अप तैयार किया गया।
- सन् 1923 में **आईलेश** कर्लर का आविष्कार हुआ।
- सन् 1910 में केवल वेश्याओं द्वारा ही मेक–अप का इस्तेमाल किया जाता था, किंतु सन् 1920 और 1930 की शुरूआत में अन्य महिलाओं ने भी इसका इस्तेमाल शुरू कर दिया।

सन् 1930

- मैक्सफैक्टर ने 1936 में सौंदर्य **प्रसाधन के** सैलून की शुरूआत की। मैक्सफैक्टर ने पहली बार **वाटर प्रूफ** केक फाउंडेशन **व** पैन–केक विकसित किया।
- चमकीले और गहरे रंगों **की** नेल **पॉलश** का इस्तेमाल किया गया।
- इस समय सूर्य स्नान का प्रचलन था और जो **प्राकृतिक** त्वचा **के** रंग **को** अधिक **प्रतिबिम्बित** होता था।
- प्लास्टिक सर्जरी की शुरूआत हुई।

सन् 1940

- सन् 1940 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नियंत्रित वितरण करने के लिए मेक–अप का उपयोग कम किया गया। इस दौरान केवल लाल लिप्सटिक ही सरलता से उपलब्ध थी। इसके परिणामस्वरूप लाल लिप्सटिक 1940 का प्रतीक बन गयी।

सन् 1950

- सन् 1950 के अंत तक 'गुआनिन' युक्त कई नए मेक–अप की वस्तुएं आ गयीं जो पाउडर और पेंट में झिलमिल चमक देती थीं।
- पेन–केक मेक–अप प्रसिद्ध हुआ और 1953 में 10 मिलियन से अधिक मेक–अप समानों की बिक्री हुई।

सन् 1960

- सन् 1960 के दौरान कई **रूप आये** और चली गयीं। 60 के दशक की शुरूआत में म्लान आकृति का प्रचलन था, किंतु दस वर्ष की अवधि के दौरान इस मेक–अप के आगमन से उस मेक–अप का प्रचलन समाप्त हो गया।
- मिनी स्कर्ट के उभरने से **टांगो** के मेक–अप की लोकप्रियता बढ़ी।
- इस दशक के अंत में चेहरे और शरीर पर पेंटिंग लोकप्रिय **हुई**।

सन् 1970

- डिस्को का प्रचलन हुआ और इसके परिणामस्वरूप चमकीले और इंद्रधनुषी रंगों की लोकप्रियता हुई।
- अराजक युवा को दर्शाता एक उग्र व्यक्ति जिसके बाल का रंग फ्लोरोसेंट और उसमें पिन जड़ा हो तथा वेधित चेहरा एवं युद्ध में भाग लेने वाले सैनिक की तरह पेंट वाले स्टाइल के साथ मेक–अप का प्रचलन।

सन् 1980

- 1980 के मध्य तक विषम आकृति का प्रचलन था। पलकों पर विभिन्न रंग लगाए जाते थे।
- **भौहों को आकार देना बंद कर दिया और** स्वाभाविक रूप में रखा जाता था।

सन् 1990 और वर्तमान

- कुल मिलाकर एक प्राकृतिक त्वचा रंग जिसमें एक बेहतर प्राकृतिक परिसज्जा थी, फैशन में था। होठों पर लाल रंग लगाया जाता था। **मैट** (matte) इसकी कुंजी थी।
- तथाति, 1990 के अंत के दौरान चमकदार, भड़किले और चमकीली मेकअप की व्यापक वापसी हुई।
- प्लास्टिक सर्जरी तकनीक में सुधार होता रहा और समाज अब पूर्णरूपेण मेकअप चाहता था।
- 1990 के अंत में मेंहदी के टेटू और बिंदी फैशन का अंग बन **गया**।

मेकअप लगाने के उद्देश्य

मेकअप लगाने का मुख्य उद्देश्य कम आकर्षक रूपों को न्यून करते हुए सुन्दर रूपों पर जोर देकर चेहरे की प्राकृतिक सुन्दरता को और बढ़ाना होता है। मेकअप एक कला है और एक मेकअप आर्टिस्ट के रूप में उसे कुछ **मूल सद्धांत की** जानकारी होनी चाहिए जो इस प्रकार है–

1) चेहरे की बनावट

2) रंग एवं इनकी एक दूसरे के साथ संबंध

3) **दृष्टि** भ्रम के सिद्धांत

आप सदा उस हल्की
बाहरी छुअन चाहती थीं

मेकअप लगाने के लिए कोई निर्धारित पैटर्न नहीं है; मेकअप प्रयोग में ग्राहक की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के आधार पर **एक ग्राहक से दूसरे ग्राहक की आवश्यकताओं में अंतर हो सकता हैं** मेकअप आर्टिस्ट को अपने ग्राहक के लिए मेकअप की योजना बनाते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना चाहिए–

1) मेकअप- फेस के प्रकार

2) केश सज्जा

3) कपड़े, आंख, बाल और त्वचा के रंग में एकरूपता

4) चेहरे की छवि की विशिष्टता

5) ग्राहक का व्यक्तित्व

6) आयु

7) पेशा

8) अवसर

मेकअप के लिए प्रसाधन की वस्तुएं

सही मेकअप उत्पाद का चयन मेकअप प्रयोग की सफलता की कुंजी है। मेकअप उत्पादों की प्रत्येक वस्तु विभिन्न त्वचा प्रकारों के लिए भिन्न– भिन्न होती है। ये वस्तुएं पाउडर, क्रीम, द्रव और जेल के रूप में होती हैं। इन विभिन्न वस्तुओं में निम्नलिखित शामिल हैं–

1) फाउंडेशन

2) कांसिलर

3) पाउडर

4) ब्रश

5) आंखों से जुड़ी प्रसाधन वस्तुएं

6) होठों पर लगाने वाली प्रसाधन वस्तुएं

फाउंडेशनः–मेकअप का सबसे महत्वपूर्ण भाग फाउंडेशन है क्योंकि यह मेकअप आर्टिस्ट के लिए आधार होता है। फाउंडेशन सामान्यतया हल्के रंग का होता है और यह त्वचा की रंगत और रंग में भी सहायता करता है, छोटे दागों और दोषों को छिपाता है, त्वचा को अधिक युवा और मुलायम दिखाता है । फाउंडेशन पानी, पाउडर, तेल, ह्यूमेक्टेंट और पिग्मेंट का बना होता है। तेल आधारित फाउंडेशन सामान्य से शुष्क त्वचा प्रकार के लिए अच्छा होता है। तेल मुक्त उत्पाद अथवा जल आधारित उत्पाद विशेष रूप से तैलीय त्वचा के लिए अच्छा होते हैं क्योंकि ये उत्पाद त्वचा में और तेल नहीं छोड़ते हैं।

फाउंडेशन को जहां तक संभव हो वास्तविक त्वचा रंग से मिलना चाहिए। सही फाउंडेशन की जांच करने के लिए सबसे अच्छा तरीका **जॉलाईन पर** त्वचा को साफ करके फाउंडेशन की एक स्ट्रीप लगाना होता है। जो रंग त्वचा में मिल जाए वह सबसे सही रंग है।

फाउंडेशन के प्रकार	बेस	त्वचा के प्रकार	परिणाम	चित्र
द्रव	तेल आधारित	शुष्क, सामान्य, परिपक्व, संयुक्त	हल्का से मध्यम कवरेज	
द्रव	जल आधारित	तैलीय, सामान्य, संयुक्त	हल्का से मध्यम कवरेज	
क्रीम	तेल आधारित	शुष्क, सामान्य, परिपक्व	आसानी से मिल जाता है किंतु गहरा कवरेज देता है।	
जेल	जल आधारित	शोधित त्वचा, **सावंली** त्वचा, बेदाग त्वचा	**पारदर्शी** और अतैलीय कवरेज	
पाउडर/कॉम्पेक्ट	तेल, मोम अथवा पाउडर	शुष्क, सामान्य, दाग युक्त	गहरा कवरेज जो रंजकता के लिए प्रभावी होता है।	
मूज	तेल	सामान्य संमिश्रण	**हल्के** से मध्यम कवरेज	

खनिज	खनिज आधारित	सभी प्रकार की त्वचा	बेहतर हल्का कवरेज देता है।	

प्रयोग **करने की** तकनीकः द्रव, क्रीम और ट्यूब फाउंडेशन को अंगुलियों **के पैरों** अथवा स्पंज से लगाया जा सकता है। पाउडर और कॉम्पेक्ट को ब्रश अथवा स्पंज से लगाया जा सकता है।

कांसिलरः–दागों और रंगहीनता को छिपाने के लिए **कां सलर्स** का इस्तेमाल किया जाता है। इनका प्रयोग फाउंडेशन को लगाए जाने के पूर्व या उसके बाद किया जा सकता है। सामान्यतया कांसिलर क्रीम आधारित होते हैं और ये विभिन्न रंगों और रूपों यथा ट्यूब, स्टिक, वेंड, पेंसिल और पोट में उपलब्ध हैं।

प्रयोग तकनीकः–इनको कांसिलर ब्रश या स्पंज के साथ लगाया जा सकता है। इसे समस्या ग्रस्त क्षेत्र में थोड़ी मात्रा में लगाएं और आस पास में उचित रूप में मिला दें।

पाउडरः–पाउडर फाउंडेशन को सेट करता है और इसका इस्तेमाल चमक रहित अथवा **डल या कीकेंद** चेहरे के लिए प्रयोग किया जाता है। पाउडर छोटे दागों को छिपाने में सहायता करता है और अत्यधिक चमक को समाप्त करता है एवं त्वचा में प्राकृतिक रंगत लाता है।

- खुले पाउडरों अथवा पारभासी पाउडर को सभी फाउंडेशनों में इसके रंग में बदलाव के बिना मिलाया जाता है।
- कॉम्पेक्ट अथवा प्रेस्ड पाउडर का सामान्यतया **प्रयोग** के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

प्रयोग तकनीकः– **लूस अथवा पारभासी पाउडर को ब्रश के द्वारा** लगाए। इसे संपूर्ण चेहरे पर लगाएं और पाउडर ब्रश की सहायता से अत्यधिक पाउडर को हटा दें।

ब्लशरः– ब्लशर चेहरे को आकार **देने** में सहायता करता है। यह प्राकृतिक गुलाबी रंग देने में सहायता करता है और यह प्रेस्ड पाउडर, पाउडर, द्रव, क्रीम, जेल आदि विभिन्न रूपों में उपलब्ध है।

प्रयोग तकनीकः–

- क्रीम और जेल ब्लशर को फेशियल स्पंज की सहायता से लगाया जाता है।
- तरल ब्लशर लेटेक्स स्पंज की सहायता से लगाया जाता है।
- शुष्क पाउडर और प्रेस्ड पाउडर का इस्तेमाल ब्रश या पफ की सहायता से किया जाता है।
- इसे सदा गाल की हड्डी के उपरी भाग पर लगाएं और अच्छी प्रकार से मिलाएं। नाक के अत्यधिक निकट ब्लशर को न लगाएं और आंख के बाहरी कोने से बाहर कभी न लगाएं।

आंखों के लिए प्रसाधन सामग्रीः– आंखों का मेकअप किसी भी प्रकार के मेकअप का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। सौंदर्य प्रसाधन की ये वस्तुएं आंखों की सुंदरता को परिभाषित करने में सहायता करती हैं। आंखों के कॉस्मेटिक में निम्नलिखित शामिल हैं–

(1) आई ब्रो शेडो अथवा पेंसिल
(2) आई लाइनर
(3) आई शेडो
(4) मस्कारा

आईब्रो शेडो अथवा पेंसिलः–इनका प्रयोग आंखों की भौंह के आकार को परिभाषित करने और इसके रंग में **वृद्ध** करने के लिए किया जाता है। इनका प्रयोग **खाली स्थान** भरने अथवा इनके रूप को सही करने के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

प्रयोग तकनीकः–यदि आप आईब्रो पेंसिल का प्रयोग कर रहे हैं तो प्राकृतिक बाल **की** वृद्धि का भ्रम **उत्पन्न** करने के लिए छोटे, मुलायम स्ट्रोकों का इस्तेमाल करते हुए इसका प्रयोग करें। पाउडर लगाने के लिए छोटे हाथ ब्रश और कोण टिप का प्रयोग करें। ब्रश **पर** शेडो लगाए और कृत्रिम छवि से बचने के लिए हल्के स्ट्रोक के साथ लगाएं।

आई लाइनरः–आई लाइनर आंखों **की** आउट लाइन को बनाता है और इसमें सुन्दरता लाता है। व्यक्ति के रूप के आधार पर आई लाइनर बरौनी रेखा के आस पास एक सुस्पष्ट रंग अथवा धब्बेदार रूप दे सकता है। आई लाइनर का इस्तेमाल बड़े और पूर्ण बरौनी वाली आंखों को सजाने के लिए किया जा सकता है। ये पेंसिल, द्रव, जेल, प्रेस्ड (टिकिया), टिप पेन के विभिन्न रूपों में उपलब्ध हैं।

प्रयोग तकनीकः–आप जिस भी प्रकार के आईलाइनर का इस्तेमाल कर रहे हों, यह महत्वपूर्ण है कि आंखों की पिपनियों में किसी प्रकार की शिकन को समाप्त करने के लिए भौंह को उठा कर पिपनियों को तान कर रखें और तब आईलाइनर लगाएं। इस लाइन को यथा संभव प्राकृतिक बरौनी रेखा के निकट रखा जाना चाहिए। पूर्ण लाइन को ब्रश की सहायता से मुलायम किया जा सकता है अथवा अपेक्षित प्रभाव के आधार पर इसे तराशा हुआ छोड़ा जा सकता है।

आई शेडोः–आंखों पर महत्व डालने अथवा इनकी बाह्य रेखाओं को बनाने के लिए आई शेडो का इस्तेमाल किया जाता है। ये कदाचित सभी संभव रंगों में उपलब्ध हैं। ये क्रीम, पाउडर, क्रेऑन, द्रव, जैल, टिकिया आदि विभिन्न रूपों में उपलब्ध हैं। ये विभिन्न प्रकार से सज्जित होती हैं यथा चमकरहित, रूक्षित, झिलमिलाहट और धात्विक, मोती युक्त अथवा ओस युक्त ।

अनुप्रयोग तकनीकः– आई शेडो आंखों को चमकीला और अधिक प्रभावशाली बनाता है। आई शेडो का इस्तेमाल ग्राहक की आंखों में **चमक** लाने के लिए किया जाना चाहिए तथा आंखों का मेकअप रंग ग्राहक के कपड़े के रंग के साथ मैच करे।

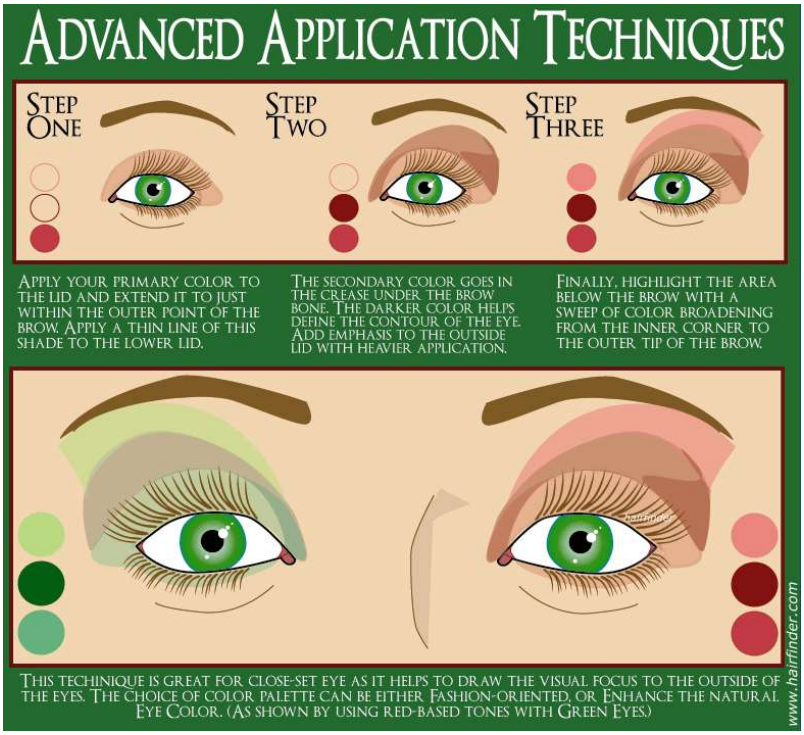

सामान्यतया आंखों के किसी भी प्रकार के मेकअप के लिए तीन आई शेडो का इस्तेमाल किया जाता है–

- बेस (हल्का रंग):– इस रंग का प्रयोग सामान्यतया आंखों पर त्वचा **के** रंग के लिए भी किया जाता है।
- बाह्य रेखा रंग (काला और वैषम्य रंग):–इसका प्रयोग बाह्य रेखा बनाने **व** आंखों की बरौनी रेखा को सुन्दर बनाने के लिए किया जाता है।
- चमक (चमकदार अथवा चमकरहित):– ये रंग एक विशिष्ट भाग को चमकदार बनाते हैं **(**भौंह की हड्डी अथवा आंख की पुतली**)**

आई शेडो को लगाने के लिए नए एप्लीकेटर अथवा साफ ब्रश का इस्तेमाल करें। आंख की पिपनियों पर रंग को उपर की ओर से बाहर की तरफ ले जाते हुए आंख की बरौनी के निकट आई शेडो लगाएं। अपेक्षित प्रभाव प्राप्त करने के लिए इसे मिलाएं।

मस्काराः– मस्कारा आंखों की बरौनी को गहरा काला, मोटा, लंबा और सुन्दर बनाता है। एक मोटी परत लगाने की अपेक्षा कई परत लगाना अच्छा होता है। ये द्रव और टिकिया के रूप में और काला, भूरा, नेवी ब्लू, बैंगनी, गुलाबी आदि विभिन्न रंगों में उपलब्ध हैं। मस्कारा ब्रश सीधा अथवा वक्र हो सकता है जिसमें पतले या मोटे दांत हो सकते हैं।

प्रयोग तकनीकः–अपने ग्राहक को नीचे देखने के लिए करें। धीरे से भौंह के बाहरी कोने को उठाएं। उपरी पिपनियों के शीर्ष पर मस्कारा लगाएं। जब यह सूख जाए तो दूसरी परत लगाएं, और इस बार उपरी भौह के नीचे से उपर और बाहर की ओर लगाएं।

होठ के लिए कॉस्मेटिकः– चेहरे को सजाने और होठों के आकार को बेहतर बनाने के लिए लिप कॉस्मेटिक का इस्तेमाल किया जाता है। होठ का रंग समरसता और संतुलन लाते हुए मेकअप को पूरा करता है। बाजार में लिप कॉस्मेटिक की पूरी श्रृंखला **उपलब्ध** है।

लिप्सटिक–यह चमक रहित, रूक्षित, पारभासी जैसे कई रूपों में आता है।	
लिप ग्लोज़ – इनका प्रयोग केवल प्राकृतिक सुंदरता अथवा लिप्सटिक के उपर पूर्ण चमकीली परत के रूप में किया जाता है।	
लिप पैंसिल– लिप पेंसिल कई रंगों में उपलब्ध है और होठों को सजाने और आउटलाइन के लिए इस्तेमाल किया जाता है।	
लिप बाम–ये रंगहीन उत्पाद होते हैं जिन्हें होठों की त्वचा की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए बनाया गया है।	
लिप **प्राइमरस** और **सीलरस** –लिप्सटिक को **फैलने से** रोकने के लिए लिप्सटिक लगाने से पूर्व लिप प्राइमरों का इस्तेमाल किया जाता है। लिप्सटिक को अधिक देर तक बनाए रखने के लिए इससे पूर्व **सीलरस** का इस्तेमाल किया जाता है।	

अनुप्रयोग तकनीक–लिप कलर को कंटेनर से सीधे नहीं लगाया जाना चाहिए, लिप्सटिक को सदा ब्रश से लगाया जाना चाहिए। लिप लाइन और होठों के लिए लिप्सटिक ब्रश का इस्तेमाल करें और उसके पश्चात **छोटे सीधे**-स्ट्रोक के साथ लिप्सटिक भरें। अधिशेष लिप्सटिक को टिश्यू पेपर से पोछ दें और इसे लंबे समय तक रखने के लिए पुनः लगाएं।

मेकअप ब्रश और अन्य उपकरण

मेकअप ब्रश विभिन्न आकार **और साइजो के मलते** हैं। साधारणतया प्रयोग किए जाने वाले ब्रश और उपकरणों में निम्न शामिल होते हैं–

मेकअप ब्रश

फाउंडेशन ब्रश	

काउसिंलर ब्रश	
पाउडर ब्रश	
आई शेडो ब्रश	
आई लाइनर ब्रश	

मस्कारा ब्रश	
ब्लश ब्रश	
लिप लाइनर ब्रश	
लिप्सटिक ब्रश	

उपकरण

चिमटी	

आई लेश कर्लर	
छोटी कैंची	
थंब पैलेट	

डिस्पोजेबल वस्तुएं

मेकअप स्पंज	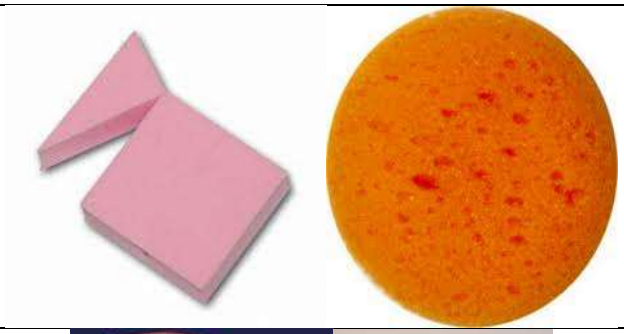
पाउडर पफस एवं पेंसिल शार्पनर	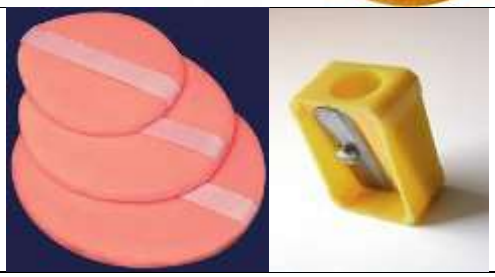

टिश्यू पेपर कॉटन पेडस	
स्पंज छोर वाले शेडो एप्लीकेटर	
स्पेटूलाज़	

मेकअप रंग से संबंधित सिद्धांत

रंग अभिकल्प अथवा रंग **चक्र** का मूल सिद्धांत ग्राहक की त्वचा, बालों के रंग, आंखों के रंग के साथ सामंजस्य बनाने के लिए चमक, शेडो को संतुलित करना, मेकअप रंगों के समन्वयन और मैच करना होता है।

एक सफल मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए उन्हें रंगों के सिद्धांत को समझना चाहिए । रंगों की तीन श्रेणियां होती हैं– प्राथमिक, द्वितीय और तृतीय श्रेणी।

1) प्राथमिक रंग मूलभूत रंग होता है जिसे मिश्रण से नहीं प्राप्त किया जा सकता है। ये रंग लाल, नीला और पीला हैं।

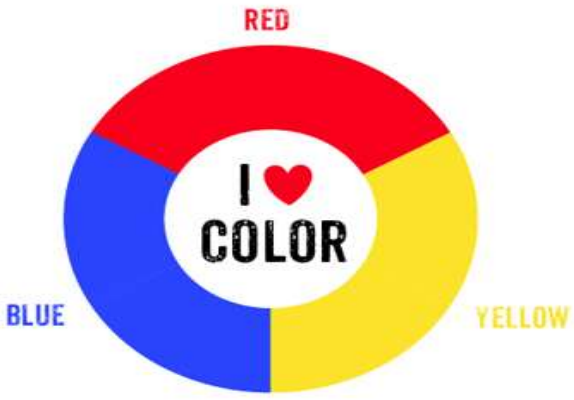

2)द्वितीय रंग दो प्राथमिक रंगों को समान मात्रा में मिला कर प्राप्त किया जाता है।

पीला+लाल= नारंगी
लाल+नीला = बैंगनी
पीला+ नीला = हरा

तृतीय रंग, रंग चक्र पर द्वितीय रंगों की समान मात्रा में मिलाने पर तैयार किया जाता है।

इन रंगों का नामकरण प्राथमिक रंगों और द्वितीय रंगों द्वारा किया जाता है।
अर्थात् नीला+ बैंगनी = नीला बैंगनी
लाल+नारंगी= लाल नारंगी
पीला+हरा= पीला हरा आदि

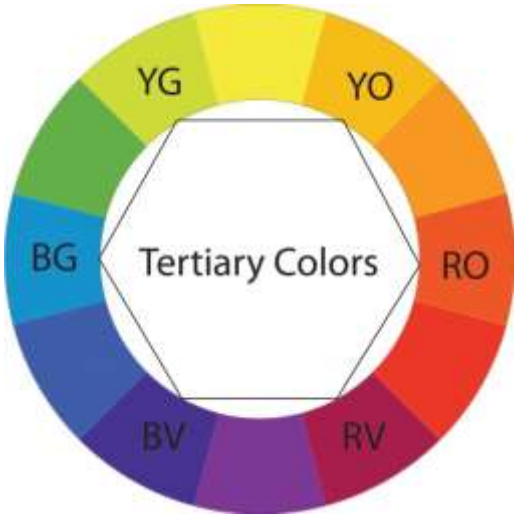

3) संपूरक रंगः रंग चक्र पर जो प्राथमिक और द्वितीय रंग प्रत्यक्षतः एक दूसरे के विलोम होते हैं उन्हें संपूरक रंग कहा जाता है। जब उन्हें एक दूसरे के आस पास रखा जाता है तो वे चमकीले दिखते हैं और बड़े वैषम्य प्रतीत होते हैं किंतु यदि उन्हें मिलाया जाता है तो वे उदासीन, भूरा रंग सृजित करते हैं।

लाल रंग हरे रंग का संपूरक रंग है।
पीला रंग बैंगनी रंग का संपूरक रंग है।
नीला रंग नारंगी रंग का संपूरक रंग है।

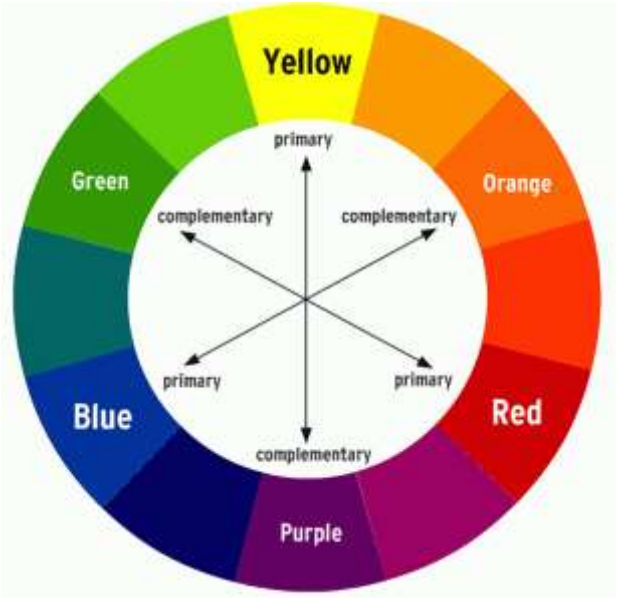

4) उष्ण रंगों की श्रृंखला में पीला, सुनहला, नारंगी, लाल रंग हैं और कुछ पीला हरा रंग भी है।

5) शीतल रंगः ये रंग शीतलता प्रदान करते हैं और इनमें नीला, हरा, बैंगनी, नीला लाल रंग शामिल हैं।

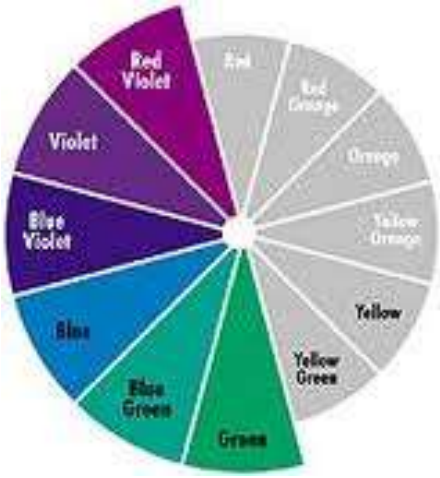

नोट– **(टिप्पणी)**

- लाल रंग उष्ण और शीतल रंग दोनों होते हैं। यदि लाल रंग का आधार नारंगी हो तो यह उष्ण होता है और यदि यह नीला आधारित हो तो यह शीतल रंग होता है।
- हरा रंग भी इसी तरह का रंग है, यदि हरे रंग में अधिक पीला हो तो यह उष्ण होता है और यदि इसमें अधिक नीला रंग हो तो यह शीतल रंग होगा।

आंखों के लिए संपूरक रंग :–

नीली आंख–सुनहला, उष्ण नारंगी, हल्का गुलाबी, तांबा, हल्का बैंगनी, जामुनी रंग।
हरी आंख–भूरा आधारित लाल, लाल– नारंगी, लाल बैंगनी, तांबा, जंग, गुलाबी, जामुनी, हल्का बैंगनी, बैंगनी।
भूरी अथवा काली आंख–इन रंगों वाली आंखों के लिए कोई भी रंग मैच करेगा।

प्रति संकेत

ग्राहक को मेक अप के लिए तैयार करने से पूर्व प्रति संकेत की पहचान की जाती है। कुछ त्वचा की स्थिति संक्रामक होती है और यदि इनमें से कोई भी संक्रमण मौजूद हो तो आपको मेक–अप नहीं करना चाहिए क्योंकि ऐसे रोगों **से** अन्य ग्राहकों तक फैलने अथवा कॉस्मोलॉजिस्ट को होने का खतरा होता है और ऐसे ग्राहक को त्वचा रोग विशेषज्ञ के पास भेज दिया जाता है। ये संक्रामक त्वचा रोग विषाणु वाला, वायरल, फफूंद अथवा परजीवी वाला हो सकता है इसलिए निम्न संक्रामक रोग होने की स्थिति में सौंदर्य सेवा देने का कार्य नहीं करना चाहिए।

जीवाणुयुक्त संक्रमण	चर्मपूय (Impetigo)	
	फॉलिक्यूलिट्स (Folliculitis)	
	नेत्रशोथ (Conjunctivitis)	
	थ्बलनी (Styes)	
वायरल संक्रमण	विसर्पिका (Herpes)	

	मस्सा (Warts)	
	नेत्रशोथ (Conjunctivitis)	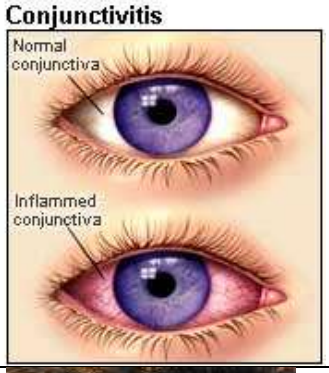
परजीवी संक्रमण	खुजली (Scabies)	
	यूकाग्रस्तता (Pediculosis)	

कुछ त्वचा रोग संक्रामक नहीं भी हो सकते है किंतु एक कॉस्मेलॉजिस्ट के रूप में आपको निम्नलिखित त्वचा प्रति संकेत के लिए सौंदर्य सेवा देते समय ध्यान रखना चाहिए:–

1) संवेदनशील अथवा एलर्जी युक्त त्वचा
2) एक्जिमा
3) गंभीर रूप से **सनबर्न**
4) **त्वचा में खुजली**
5) घाव और फुंसी
6) आंखों के आस पास त्वचा रोग

7) कोई भी संक्रामक त्वचा रोग (चर्मरोग विशेषज्ञ के पास ग्राहक को भेजना)

स्वास्थ्य और सुरक्षाः–एक कॉस्मेटोलोजिस्ट के रूप में हमें व्यक्तिगत स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना चाहिए और कार्य स्थल पर किसी प्रकार की घटनाओं से बचने के लिए अन्य व्यक्तियों का ध्यान रखें। एक कॉस्मेटोलोजिस्ट के रूप में आपको कार्य स्थल पर निम्नलिखित चीजों का ध्यान रखना चाहिएः–

क) **फसलन** – कार्य स्थल पर किसी प्रकार के **फसलन** से बचना चाहिए।

ख) **कचरे** का निपटान–कॉटन जैसे साधारण कचरा उत्पादों को बंद कचरा पेटी में डाला जा सकता है किंतु किसी भी ज्वलनशील रसायनों अथवा उत्पादों का निपटान इनके उत्पादकों के निर्देशानुसार करना चाहिए।

ग) **हवादार**–कार्य स्थल पर्याप्त रूप से **हवादार** होना चाहिए ताकि गर्म या नमी युक्त या गंदी हवा निकल जाए एवं ताजी हवा एवं स्वच्छ हवा आ पाए।

घ) बिजली का झटका– बिजली का झटका गंभीर खतरा पैदा कर सकता है और यह घातक भी हो सकता है एवं दोषपूर्ण बिजली उपकरण अथवा इनके उपयोग से आग लग सकती है, क्षति हो सकती है और व्यक्ति घायल अथवा उनकी मृत्यु हो सकती है।

ड.) खतरनाक वस्तुः– कॉस्मेटोलॉजिस्ट का सामना कई रसायनों और वस्तुओं से होगा और यदि इनका इस्तेमाल सही तरीके से नहीं किया गया तो ये खतरनाक हो सकता है। दुर्घटनाओं से बचने के लिए कतिपय सुरक्षा दिशानिर्देश सहायक होगेः–

क) निर्माताओं के दिशानिर्देश/ अनुदेशों का अनुपालन करना।
ख) यदि निर्माताओं द्वारा निर्देश नहीं दिए जाएं तो उत्पादों का मिश्रण न करें।
ग) रसायनों का भंडारण लेबल लगाकर और एयर टाइट कंटेनरों में रखें।
घ) एरोसोल को आग और गर्मी से दूर से रखें।

कॉस्मेटोलॉजिस्ट के लिए स्वास्थ्य और **सुरक्षात्मक सावधानियाँ**–

कार्य **स्थल**	व्यक्तिगत स्वास्थ्य और आचरण
• मेक अप कक्ष में प्रकाश होना चाहिए। • इसका फर्श आसानी से साफ किए जाने योग्य होना चाहिए। • प्रत्येक कार्यस्थल पर बंद कचरे का डिब्बा होना चाहिए। • उत्पादों और उपकरणों को **अलमारी** में रखा जाना चाहिए। • प्रत्येक इस्तेमाल के बाद कार्य स्थल, उपकरण, औजारों और साधनों को संक्रमण रहित करना चाहिए और कचरे का निपटान उपयुक्त तरीके से किया जाना चाहिए।	• व्यक्ति को साफ कपड़े पहनना चाहिए। • नाखुन छोटा और साफ सुथरा होना चाहिए। • अंगूठी और चूड़ी **जैसे** आभूषण नहीं **पहनने** चाहिए क्योंकि इनसे त्वचा में खरोंच आ सकती है। • मुख स्वास्थ्य अच्छा होना चाहिए क्योंकि यह बड़ा महत्वपूर्ण है। • सैलून में कम उंचाई अथवा समतल एंड़ी वाला चप्पल पहनना चाहिए। • तेज सुगंध से बचना चाहिए

अभ्यास प्रश्नः

प्रश्न 1: बाजार में उपलब्ध विभिन्न कॉस्मेटिक उत्पादों की सूची लिखें। इनमें से किसी एक का ब्यौरा दें और इसके प्रकार व अनुप्रयोग तकनीक बताएं।

प्रश्न 2: मेक अप करने के मुख्य उद्देश्य क्या है और मेक अप की योजना बनाते समय किन किन बिंदुओं पर ध्यान देना चाहिए।

प्रश्न 3: लघु उत्तर प्रश्नः

क) तीन जीवाणु संक्रमणों और तीन वायरल संक्रमणों के बारे में लिखें।
ख) उन चार बिंदुओं के बारे में लिखें जिन्हें सैलून में कार्य स्थल और व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए ध्यान रखा जाना चाहिए।
ग) नीली आंखों और हरी आंखों के लिए संपूरक रंगों के बारे में लिखें।

प्रश्न 4: द्वितीयक रंगों को दर्शाते हुए रंग चक्र बनाएं और लेबल करें।

अभ्यास प्रश्न (व्यवहारिक):

प्रश्न 1: मूलभूत नेत्र मेकअप लगाने की प्रक्रिया का प्रदर्शन करें।
प्रश्न 2: यह प्रदर्शित करें कि रंग चक्र पर रंगों को कैसे मिलाएं और इच्छित रंग कैसे तैयार करें।
प्रश्न 3: मेक अप ब्रश और मेक अप उपकरणों की सफाई की प्रक्रिया को प्रदर्शित करें।
प्रश्न 4: वर्ष 1960 और 1980 के दौरान किए जाने वाले मेकअप को प्रदर्शित करें।